जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 101
दिनांक 06.09.2021

स्टार्टअप्स को वैश्विकस्तर पर कृषि क्षेत्र में कड़ी प्रतिर्स्पधा हेतु तैयार रहना होगा–डॉ. बिसेन

जनेकृविवि में एग्री प्रेन्योरशिप ओरिएन्टेशन इन्क्यूवेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू

जबलपुर 06 सितम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में एग्रीकल्चर स्टार्टअप्स हेतु 2 माह का ओरिएन्टेशन इन्क्यूवेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू हुआ। इसमें 31 युवा स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। इन्हें कृषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जायेगा और शासन द्वारा स्टार्टअप्स हेतु निर्धारित राशि भी दी जायेगी।

इस मौके पर कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि हमारे स्टार्टअप्स को वैश्विकस्तर पर कृषि क्षेत्र में कड़ी प्रतिर्स्पधा हेतु तैयार रहना होगा। साथ ही विश्वस्तर पर हो रहे नित नये अनुसंधान, प्रयोग और इनोवेशन से अपडेट रहना होगा। डॉ. बिसेन ने आगे कहा भारत में कृषि लगातार आधुनिक हो रही है। युवाओं को खेती से जोड़ना और किसानों को उन्नत कृषि तकनीक अपनाने हेतु जमीनी स्तर से उच्चस्तरीय प्रयासों की महती अवाश्यकता है। मुख्य अतिथि नाबार्ड भोपाल के जीएम वाय.एन. महादेवीह ने अतिथि व्याख्यान में कृषि क्षेत्र की वर्तमान समस्यायें– आदानों का वितरण, उपज का विपणन, कृषक उत्पादक संगठनों की कार्य प्रणाली, जलवायु परिवर्तन, जैविक खेती हेतु आवश्यक आदान, प्रक्षेत्र मशीनरीकरण, उत्पाद प्रसंस्करण पर प्रकाश ड़ाला और स्टार्टअप्स को वित्तीय अवसर, गुणवत्ता नियंत्रण एवं मूल्य संवर्धन पर सचेत रहने का आव्हान किया।

आयोजक डॉ. एस.बी. नहातकर डायरेक्ट आईएबीएम एंड सीईओ जवाहर राबी जनेकृविवि ने स्वागत भाषण में बताया विश्वविद्यालय में कृषि स्टार्टअप्स का कार्यक्रम पिछले 2 वर्षों से सुचारू रूप से चलाया जा रहा है। वर्ष 2021–22 में तृतिय चरण के प्रशिक्षण में कुल 168 आवेदन प्राप्त हुए थे प्राथमिक परीक्षण के पश्चात् 53आवेदनकार्ताओं को भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के मार्गदर्शिका के आधार पर गठित समिति के सामने प्रेजेन्टेशन के आधार पर 09 साकार एवं 22 प्रेरणा कार्यक्रम हेतु कुल 31 स्टार्टअप्स् का चयन किया गया है, जो 05 राज्यों मध्यप्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश एवं पश्चिम बंगाल से हैं यह 05 focus area तथा 15 कृषि के सबसेक्टर से संबंधित समस्याओं के समाधान करने हेतु अपना स्टार्टअप्स् शुरू करना चाहते हैं। मैं इन सभी का विश्वविद्यालय की ओर से स्वागत करता हूँ। साकार में चयनित स्टार्टअप्स् को 2 माह का सघन इंक्युवेशन कार्यक्रम तथा प्रेरणा में चयनित स्टार्टअप्स् को 2 माह का ओरियेन्टेशन कार्यक्रम Online पूर्ण करना आवश्यक है। इस कार्यक्रम के दौरान प्रेरणा के स्टार्टअप्स् अपने विचारों को आकार देंगे तथा साकार कार्यक्रम के स्टार्टअप्स् अपने प्रोटोटाईप का Minimum viable product तैयार कर इसे मार्केट में लांच करने की तैयारी करेंगे। सभी स्टार्टअप्स् तकनीकी, व्यवसायिक तथा उद्योगिक मेन्टर के अंतर्गत अपने अपने आईडियास, विचारों कों आकार देकर कृषि व्यवसाय हेतु तैयार करेंगे। उम्मीद है कि चयनित सभी स्टार्टअप्स् दो माह के सघन कार्यक्रम के माध्यम से अपने आप को Grant in Aid प्राप्त करने हेतु पूर्ण रूप से तैयार करेंगे।

क्रमश : 2 :

कार्यक्रम में विशेष अतिथि संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु, प्रमुख अतिथि अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. शरद तिवारी, कार्यक्रम में पधारे अतिथिगण अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. पहलवान, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, आदरणीय विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर एवं हमारे आमंत्रण पर इस कार्यक्रम में पधारे विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया, लेखानियंत्रक श्री व्ही.एन. बायपेयी आदि ने भी प्रशिक्षिणार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीमति अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मोनी थामस ने किया। प्रशिक्षिण कार्यक्रम 3 नवम्बर तक चलेगा।

देश में कुल 29 कृषि व्यवसाय इन्क्यूवेशन केन्द्रों की स्थापना भारत सरकार द्वारा की गई है : जनेकृविवि इनमें से एक महत्वपूर्ण केन्द्र है

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कृषि व्यवसाय इंक्युबेशन केन्द्र (Agri Business Incubation Center) की स्थापना वर्ष 2018–19 में भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रूमेनेरेटिव एप्रोच फॉर एग्रीकल्चर एवं एलाईड सेक्टर रेजेन्वेशन (रफ्तार) के तहत ईनोवेशन एवं कृषि उद्यमिता इकाई के अंतर्गत की गयी थी। वर्तमान में देश में कुल 29 कृषि व्यवसाय इन्क्यूवेशन केन्द्रों की स्थापना भारत सरकार द्वारा अभी तक की गयी है। विश्वविद्यालय में इस केन्द्र की स्थापना आवेदनों के प्रतिस्पर्धात्मक स्कोरिंग एवं प्रेजेन्टेशन के आधार पर स्वीकृत की गयी थी।

इस केन्द्र द्वारा वर्ष 2019–20 एवं 2020–21 तक कुल 23 कृषि स्टार्टअप्स् को 2 माह के प्रशिक्षण पश्चात् भारत सरकार द्वारा गठित समिति द्वारा ग्रांट–इन–ऐड़ के लिए योग्य पाया गया तथा कुल ग्रांट रू. 206.75 लाख इन्हें प्रदान की गई।

कृषि व्यवसाय में स्टार्टअप्स की परिकल्पना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा कृषि व्यवसाय से संबंधित कृषकों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु परिपादित की गयी थी। इस तारतम्य में Vocal for Local, Make in India, स्वदेशी आदि के द्वारा आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करना है। कृषि स्टार्टअप्स के माध्यम से कृषि उत्पादन एवं आय बढ़ाने के दृष्टिकोण से ऐसे युवा जिनके पास कुछ नवीनतम सोच, विचार है उन्हें प्रेरणा कार्यक्रम के माध्यम से प्रोटोटाईप में परिवर्तित करना तथा जिन्होंने अपनी सोच को प्रोटोटाईप में परिवर्तित कर लिया है उन्हें साकार कार्यक्रम के माध्यम से स्केल अप करके कृषि व्यवसाय हेतु तैयार करना है। विश्वविद्यालय का यह केन्द्र अपनी उपलब्धियों के कारण तथा स्थापित स्टार्टअप्स् के कारण प्रदेश ही नहीं वरन् देश में भी जाना जाता है।

कृषि व्यवसाय को प्रोत्साहन देने हेतु भारत सरकार द्वारा अन्य कई परियोजनायें जैसे 1 लाख करोड़ का एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रेक्चर फंड, 10,000 कृषक उत्पादक संगठनों की स्थापना, वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट योजना आदि की भी शुरूआत की गयी। हमारे स्टार्टअप्स् इन योजनाओं का लाभ लेकर भी अपने व्यवसाय को और अधिक गतिशील एवं कृषकों की समस्याओं के समाधान के साथ साथ कृषकों की आय दोगुना करने का संकल्प तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन करने में मदतगार होगें।

इस तृतीय कोहर्ट में चयनित 31 कृषि के क्षेत्र में नवोन्वेशी सोच के युवाओं का यह विश्वविद्यालय स्वागत करता है और आप सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान भारत के कृषि व्यवसाय के क्षेत्र के नामीं मेन्टरों तथा विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों के मार्गदर्शन से लाभान्वित होकर अपने विचारों को प्रेरणा देकर अपने कृषि व्यवसाय के द्वारा किसानों की समस्याओं के समाधानों के सपनों को साकार रूप देगें।

–000–